


13/3/24

पतावली पेश हुई। कहीं
पुकी अवस्था पुकी की ओर
से कोई आर्किव नहीं है।
बार-बार आवाज लगाई गई।
बावजूद आवाज से भी कोई
आर्किव नहीं आया है। इस
पुकी का पुकी का पीछा
रखीज किया जा रहा है। पतावली
फैलाव शुभर एंडर पत्र से
कम है। एडिटर पत्र है।


महाशुभ कलकत्ता
कालसाट (पत्र-पत्रिका) (पत्रिका)

